

छत्तीसगढ़ की तीन वभूतियाँ पद्म श्री सम्मान के लिये चयनित

चर्चा में क्यों?

25 जनवरी, 2023 को राष्ट्रपति ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर वर्ष 2023 के लिये देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों 'पद्म पुरस्कारों' की घोषणा की। इनमें छत्तीसगढ़ की तीन वभूतियों को पद्म श्री अवार्ड के लिये चुना गया है।

प्रमुख बंदि

- वर्ष 2023 के लिये राष्ट्रपति ने तीन द्वय मामलों (एक द्वय मामले में, पुरस्कार को एक के रूप में गनिा जाता है) सहित 106 पद्म पुरस्कार प्रदान करने की मंजूरी दी है।
- सूची में 6 पद्म वभूषण, 9 पद्म भूषण और 91 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं। पुरस्कार पाने वालों की सूची में 19 महिलाएँ हैं और वदशियों/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई की श्रेणी के 2 व्यक्ता और 7 मरणोपरांत पुरस्कार पाने वाले भी शामिल हैं।
- पद्म श्री अवार्ड के लिये चयनित छत्तीसगढ़ की तीन वभूतियों में सुश्री उषा बारले, डोमार सहि कुँवर और अजय कुमार मंडावी शामिल हैं।
- दुर्ग ज़िले की सुश्री उषा बारले को पंडवानी गायन के क्षेत्र में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इन्होंने प्रख्यात पंडवानी गायिका पद्म वभूषण तीजनबाई से पंडवानी का प्रशिक्षण लिया है। बारले न केवल भारत बल्कि लंदन और न्यूयार्क जैसे शहरों में भी पंडवानी की प्रस्तुति दे चुकी हैं।
- बालोद ज़िले के ग्राम लाटा बोड़ के नविसी नृत्य कला के साधक एवं मशहूर कलाकार डोमार सहि कुँवर को छत्तीसगढ़ की वल्लिप्त होती नाचा कला को देश से लेकर वदशों तक ख्यात दिलाने के लिये पद्म श्री हेतु चयन किया गया है। इन्होंने इस कला का 5 हज़ार से भी ज्यादा बार मंचन किया है।
- कांकर ज़िले के ग्राम गोवदिपुर के रहने वाले अजय कुमार मंडावी ने काष्ठ शलिप कला में गोंड ट्राईबल कला का समागम किया है। उन्होंने नक्सली क्षेत्र के प्रभावित और भटके हुए लोगों को काष्ठ शलिप कला से जोड़ते हुए क्षेत्र के 350 से ज्यादा लोगों के जीवन में बदलाव लाने के साथ-साथ लकड़ी की अद्भुत कला से युवाओं को जोड़ा है। युवाओं के हाथ से बंदूक छुड़ाकर छेनी उठाने के लिये प्रेरित करने जैसे कार्यों के लिये मंडावी को पद्म श्री सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।
- गौरतलब है कि देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में पद्म पुरस्कार शामिल है। पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों- पद्म वभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री के रूप में प्रदान किये जाते हैं। प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुरस्कारों की घोषणा की जाती है।
- ये पुरस्कार कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, वज्ज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चकित्सा, साहित्य व शिक्षा, खेल, सविलि सेवा आदि जैसे वभिन्न वषियों/गतविधियों के क्षेत्रों में दिये जाते हैं।
- असाधारण और वशिष्ट सेवा के लिये 'पद्म वभूषण', उच्च स्तर की वशिष्ट सेवा के लिये 'पद्म भूषण' और किसी भी क्षेत्र में वशिष्ट सेवा के लिये 'पद्म श्री' से सम्मानित किया जाता है।
- ये पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति द्वारा औपचारिक समारोहों में प्रदान किये जाते हैं जो आमतौर पर हर साल मार्च/अप्रैल के आसपास राष्ट्रपति भवन में आयोजित किये जाते हैं।